मितपुर के चौबे, तिनके ३ पुत्र १ आनन्द हन्नूपुर के तिवारी, २ नन्दराम ख्यूरा के पाठक, तीन नारायण ख्यूरा के एकावाशिष्ठी चौबे, तिनके २ पुत्र १ जमदग्नि डौंड़ियाखेरे के चौबे, दूसरे नाथमल आँटीपुर के चौबे, आनन्द के पुत्र बंशी सगुनापुर के तिवारी भये काशीराम के २ पुत्र १ राघव जलारी के दुबे २ भागीरथ लहरापुर के दुबे, राघव के २ पुत्र १ भवानी बछरिया के दीक्षित, २ महावीर ब्रह्मशाला के दीक्षित, भवानी के २ पुत्र प्रथम पुत्र मोहन सगुनापुर के दुबे दूसर पुत्र सोहन रामपुर के अवस्थी कहाये । गोवर्धन कन्नौज के चौबे कहाये ।

वशिष्ठ गोत्र चौबे तिवारी दुबे अवस्थी दीक्षित पाठकों का स्थान असामी बिस्वा

स्थान	असामी	बिस्वा	स्थान	असामी
चौबे मौरायें के महानन्द		३	ख्यूरा के	
मोतीपुर के महिमान		,,	(एकावाशिष्ठी) नारायण	
गोधनी के काशीराम		,,	डौंड़ियाखेरे के जमदग्नि	
मितपुर के प्रयागदत्त		,,	आँटीपुर के नाथमल	

स्थान	असामी	बिस्वा	स्थान	असामी	बिस्वा
चौबे	कन्नौज के गोवर्धन	३	अवस्थी	रामपुर के सोहन	२
तिवारी	हन्नूपुर के आनंद	२	दीक्षित	बँगरिया के भवानी	,,
	सगुनापुर के बंशी	,,		भ्रम शिला के महाबीर	,,
दुबे	बलारी के राघव	१	पाठक	ख्यूरा के नन्दराम	,,
	लहरापुर के भागीरथ	२			
	सगुनापुर के मोहन	,,			

इति वशिष्ठ गोत्रम् ।

ग्रन्थकार परिचयः

श्री कान्यकुब्ज महिदेवकुले प्रशस्तेऽभूत्पार्वतीशङ्करबान्धुगमातृदक्षः विद्या प्रगल्भ निरतेषुत' पण्डितेषु ख्यात बभूवबुध वृन्द समर्चिताङ्घ्रिः । १ ॥ तस्यात्मजो बालमुकुन्द मिश्र आसीत्सदाचर विचार दक्षः । तज्ज्ञःकृतज्ञश्च बुधोगुणज्ञो धीमान्दयाब्धिश्च २॥ तस्यास्तिविद्वज्जनपादसेवी पुत्रःप्रसिद्धो मणिलाल गंगातटे कर्णपुरे निवासी ग्रन्थस्य पूर्तिंव्यकरो-